सान्ध्य टाइम्स
सबसे बड़ा सान्ध्य दैनिक
नई दिल्ली, गुरुवार, 24 जनवरी 2013, पेज 12, मूल्य दो रुपए

चांदनी चौक: आखिर इस दर्द की दवा क्या है

रामेश्वर दयाल। ऐतिहासिक चांदनी चौक बाजार में व्याप्त अव्यवस्था को लेकर हाई कोर्ट ने एक बार फिर ट्रैफिक पुलिस व अन्य निकायों को निशाने पर लिया है और पूछा है कि इस बाजार का ट्रैफिक सिस्टम कैसे सुधरेगा ताकि इस बाजार की रौनक वापस लौट सके। असल में इस बाजार में एक नहीं कई समस्याएं हैं और उन्हें सुलझाने के लिए कई प्लान बनाए गए हैं, लेकिन आज तक एक भी हकीकत में नहीं बदल पाया है। इस बाजार को लेकर जब तब विशेषज्ञ, बाजार के कारोबारी आदि कई योजनाएं लेकर आए हैं, लेकिन वे सभी दम तोड़ती नजर आ रही है। शेष पेज 9

- कंजेशन कैसे खत्म हो
- रिक्शों की भरमार
- सार्वजनिक सुविधाओं की कमी

चांदनी चौक: आखिर इस...

पहले पेज का शेष: कोर्ट ने चांदनी चौक इलाके में ट्रैफिक कंजेशन को खत्म करने के लिए दिल्ली सरकार, एमसीडी और यूटीपैक से प्लान बताने को कहा है। अदालत ने अर्बन प्लानर से कहा है कि वह बताए कि कैसे कंजेशन को खत्म किया जा सकता है। कोर्ट ने बाजार में कानून व्यवस्था और पार्किंग की समस्या पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट में प्रशासन की ओर से बताया गया है कि वहां अवैध रूप से भारी तादात में रिक्शे चल रहे हैं जबकि एक एनजीओ का कहना है कि मास्टर प्लान में रिक्शों को प्रमोट करने की बात कही गई है।

चांदनी चौक में समस्याओं की खासी भरमार है। यह बाजार करीब एक दर्जन समस्याओं से घिरा हुआ है। बाजार में मिलीभगत से अवैध पार्किंग चल रही है। कोर्ट के आदेश के अनुसार बाजार में न तो यहां रिक्शा चलाए जा सकते हैं, न पटरी बाजार लग सकता है और न ही हॉकर कोई सामान बेच सकते हैं, लेकिन तीनों काम हो रहे हैं। जेबतराशों, झपटमारों और भिखारियों ने इस बाजार का नाम खराब कर रखा है। मेन बाजार में कोई यूरिनल नहीं है, जिस कारण पर्यटकों विशेषकर महिलाओं को खासी परेशानी होती है। महिलाओं से छेड़छाड़ और दलालों की हेठी ने भी इस बाजार को दागदार बना रखा है। कोर्ट ने इस बाजार में जुलूसों और धार्मिक यात्राओं पर रोक लगा रखी है, लेकिन आए दिन यहां ऐसे आयोजन होते रहते हैं। बाजार में सीवर जाम रहना भी आम बात है।

कारोबारी नेता सुरेश बिंदल, संजय भार्गव आदि का कहना है कि बाजार को सुधारने के लिए सालों से योजनाएं बन रही हैं, लेकिन एक भी सिरे नहीं चढ़ पाई है। बाजार को सुधारने के लिए चांदनी चौक रिडेवलेपमेंट प्लान बनाया जा चुका है, लेकिन उस पर प्रभावी काम नहीं हो पा रहा है। यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए बाजार में ट्राम चलाने की योजना लाई गई थी। फुटपाथ और सड़क को चौड़ा करने के कई प्लान बनाए गए, लेकिन उस पर काम नहीं हो पाया। कई पार्किंग स्थल बनाने की योजनाएं बनी, लेकिन उन पर बहुत धीमे काम हो रहा है।

दिल्ली के पूर्व टाउन प्लानर आर. जी. गुप्ता का कहना है कि इस बाजार को सुधारने के लिए स्थानीय कारोबारियों और लोगों को विश्वास में लेना होगा। बाजार में ट्रैफिक सिस्टम को सुधार लिया जाए तो अधिकतर समस्याएं खत्म हो सकती हैं। बाजार का रूप निखारने के लिए दुकानों का डिजाइन एकसमान किया जाना चाहिए और साइन बोर्ड में भी समानता दिखनी चाहिए। बाजार में सीमित रिक्शा चलने चाहिए और कारों की आवाजाही भी सीमित करनी चाहिए।